ASTRO ARPITA NATH

नवांश (D9) चार्ट: कैसे पढ़ें, भविष्यवाणी करें और अपने भाग्य को समझें

Arpita Nath द्वारा · वर्ग चार्ट · 2026-09-24

वैदिक ज्योतिष में, केवल प्राथमिक जन्म कुंडली - यानी राशि चार्ट (D1) - को पढ़ना किसी बीज की सतह को यह जांचे बिना देखने जैसा है कि क्या उसमें अंकुरित होने की उपजाऊ क्षमता है या नहीं। जहाँ D1 चार्ट स्थूल भौतिक धरातल और बाहरी परिस्थितियों को दर्शाता है, वहीं नवमांश चार्ट (D9) आपके भाग्य के आंतरिक मूल, आपकी आत्मा की गुणवत्ता (धर्म) और आपके जीवन पथ के अंतिम परिणाम के रूप में कार्य करता है।

महर्षि पाराशर ने नवमांश को सर्वोच्च महत्व दिया, जिससे यह सभी शास्त्रीय परंपराओं में सबसे अधिक विश्लेषित किया जाने वाला हार्मोनिक चार्ट बन गया। यहाँ इस बात का संपूर्ण विवरण दिया गया है कि D9 चार्ट क्या दर्शाता है, यह आपके D1 चार्ट से सीधे कैसे जुड़ता है और इसे सटीक रूप से पढ़ने की चरण-दर-चरण पद्धति क्या है।

1. नवमांश (D9) चार्ट क्या है?

नवमांश शब्द का अर्थ नौवां विभाजन होता है (**नव = नौ, अंश = भाग या हिस्सा**)।

प्रत्येक 12 राशियों में 30 अंश (डिग्री) होते हैं। D9 चार्ट में, प्रत्येक 30-डिग्री की राशि को 3 डिग्री और 20 मिनट (3°20') के 9 समान भागों में विभाजित किया जाता है। चूँकि 3°20' किसी नक्षत्र के एक पद (चरण) का सटीक विस्तार होता है, इसलिए D9 चार्ट गणितीय रूप से 12 राशियों को सीधे 27 नक्षत्रों से जोड़ता है।

क्योंकि यह 9वें हार्मोनिक विभाजन का प्रतिनिधित्व करता है - जो 9वें भाव (भाग्य भाव) के धार्मिक और भाग्यशाली विषयों को दर्शाता है - D9 चार्ट निम्नलिखित को स्पष्ट करता है:

• जीवन का उत्तरार्ध (जो विवाह के बाद या 28 से 32 वर्ष की आयु के बाद गहराई से सक्रिय होता है)

• आंतरिक आध्यात्मिक प्रेरणा और आत्मा की मूल शक्ति

• जीवनसाथी का वास्तविक स्वभाव, आयु (दीर्घायु), शारीरिक व्यक्तित्व और मनोवैज्ञानिक चरित्र

• लग्न (D1) कुंडली में किए गए वादों की वास्तविक शक्ति, उनकी सफलता या विफलता

2. D1 और D9 के बीच का मुख्य संबंध

पाराशरी ज्योतिष का एक मूलभूत सिद्धांत कहता है: D1 चार्ट क्षमता (संभावना) को दर्शाता है, लेकिन D9 चार्ट उस परिणाम की पुष्टि करता है।

• **वृक्ष बनाम फल का उदाहरण**: D1 चार्ट वृक्ष की तरह है (उसकी शाखाएं, तना और उसका वातावरण)। D9 चार्ट उसका फल है। D1 रूपी वृक्ष में कोई ग्रह भले ही अत्यंत वैभवशाली और उच्च का दिखाई दे, लेकिन यदि वह D9 रूपी फल में नीच या पीड़ित हो, तो उसमें स्थायी आनंद प्रदान करने के लिए आवश्यक मिठास और आंतरिक जीवन शक्ति की कमी होती है।

• **"झूठे बल" का भ्रम (D1 में उच्च, D9 में नीच):** यदि कोई ग्रह D1 में अपनी उच्च राशि में स्थित है (जैसे, मेष राशि में सूर्य), लेकिन D9 में अपनी नीच राशि में चला जाता है (तुला राशि में सूर्य), तो कसौटी पर परखे जाने पर उसके बाहरी वादे आंतरिक क्षीणता, निराशा या अचानक पतन का सामना करेंगे।

• **"छिपे हुए रत्न" का पुनरुत्थान (D1 में नीच, D9 में उच्च)**: इसके विपरीत, यदि कोई ग्रह D1 में कमजोर या नीच दिखाई देता है, लेकिन

D9 चार्ट में अपनी उच्च या स्वराशि में पहुंच जाता है, तो जातक को जीवन के शुरुआती दौर में संघर्ष और आत्म-संदेह का सामना करना पड़ता है, लेकिन परिपक्व होने के साथ वह उस ग्रह के क्षेत्रों में निरंतर दक्षता और सफलता प्राप्त करता है।

3. D9 चार्ट क्या भविष्यवाणी करता है?

A. विवाह और जीवनसाथी
D9 चार्ट वैवाहिक मामलों के लिए सबसे प्रमुख चार्ट है:

• **D9 लग्न**: प्रतिबद्धता, पारिवारिक जीवन के प्रति आपका व्यक्तिगत दृष्टिकोण और विवाह के भीतर आपका व्यवहार कैसा रहता है, इसे उजागर करता है।

• **D9 का 7वां भाव और 7वें भाव का स्वामी (सप्तमेश)**: जीवनसाथी के शारीरिक स्वभाव, व्यक्तित्व, नैतिक मूल्यों और संबंधों से जुड़ी अपेक्षाओं को दर्शाता है।

• **वैवाहिक दीर्घायु और अलगाव**: यदि D9 का 7वां भाव या 7वें भाव का स्वामी पाप ग्रहों से पीड़ित हो या दुस्थान भावों (6वें, 8वें या 12वें) में स्थित हो, तो यह गहरे वैवाहिक मतभेदों या कानूनी चुनौतियों की ओर संकेत करता है। इसके विपरीत, किसी पापरहित बृहस्पति (गुरु) की दृष्टि इस संबंध की रक्षा करती है।

B. धर्म, आंतरिक प्रतिभाएं और आत्मा का विकास
D9 उन जन्मजात विशेषताओं को प्रकट करता है जिन्हें आप इस जन्म में साथ लेकर आए हैं:

• D9 के 1ले, 5वें और 9वें भाव में स्थित ग्रह स्वाभाविक, सहज प्रतिभाओं, रचनात्मक प्रवृत्तियों और दार्शनिक झुकाव का संकेत देते हैं जो वयस्कता के दौरान निखरते हैं।

• यह सांसारिक दबावों द्वारा परीक्षा लिए जाने पर आध्यात्मिक भक्ति, नैतिकता और नैतिक सहनशीलता की आपकी क्षमता को प्रदर्शित करता है।

C. करियर की निरंतरता और सार्वजनिक प्रतिष्ठा
यद्यपि D10 चार्ट विशेष रूप से पेशेवर पद और दैनिक करियर कर्तव्यों पर केंद्रित होता है, D9 चार्ट इस बात की पुष्टि करता है कि क्या आपका करियर आपको वास्तविक आंतरिक संतुष्टि, नैतिक गर्व और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। उच्च पदस्थ व्यक्तियों की D1 और D9 दोनों में निरंतर मजबूत ग्रह स्थितियां होती हैं।

4. महत्वपूर्ण डी9 (D9) अवधारणाएं जो आपको अवश्य जाननी चाहिए

वर्गोत्तम: सर्वोच्च बल

जब कोई ग्रह D1 चार्ट और D9 चार्ट दोनों में बिल्कुल एक ही राशि में स्थित होता है, तो उसे वर्गोत्तम कहा जाता है।

• **प्रभाव**: यह असाधारण स्थिरता और शक्ति प्रदान करता है। वर्गोत्तम ग्रह अत्यधिक लचीलापन और मजबूती प्राप्त करता है; इसके मूल कारक तत्वों को गोचर या मामूली दुष्प्रभावों द्वारा आसानी से नष्ट नहीं किया जा सकता है। यदि लग्न स्वयं वर्गोत्तम हो, तो जातक जीवन भर मजबूत स्वास्थ्य, स्पष्ट दृष्टिकोण और व्यक्तिगत पहचान की एक दृढ़ भावना का आनंद लेता है।

पुष्कर नवमांश: जीवनदायिनी डिग्रियाँ

राशि चक्र में 3°20' के कुछ विशिष्ट अंशों (arcs) को पुष्कर नवमांश का नाम दिया गया है।

• **प्रभाव**: कोई भी ग्रह - चाहे वह नैसर्गिक पापी ग्रह हो या कार्यात्मक रूप से प्रतिकूल स्वामी - पुष्कर नवमांश में आने पर शुद्ध और पोषित हो जाता है। अपनी दशा के दौरान, वह ग्रह अप्रत्याशित रूप से सुरक्षात्मक, उपचारात्मक और पुनर्जीवन देने वाले परिणाम प्रदान करता है।

नवांश में आत्मकारक (कारकांश)

जैमिनी ज्योतिष में, आपकी कुंडली में सबसे अधिक अंश (डिग्री) वाला ग्रह आत्मकारक (AK) होता है, जो आत्मा की गहनतम इच्छा का प्रतिनिधित्व करता है।

• **प्रभाव**: D9 चार्ट (नवांश) के भीतर आत्मकारक जिस राशि में स्थित होता है, वह कारकांश लग्न बन जाती है। कारकांश के आसपास स्थित ग्रहों का विश्लेषण आपके परम आध्यात्मिक उद्देश्य, प्राथमिक कार्मिक बाधाओं और जीवन के उच्चतर आह्वान को प्रकट करता है।

5. चरण-दर-चरण चेकलिस्ट: D9 चार्ट कैसे पढ़ें

1. D9 लग्न और लग्नेश का विश्लेषण करें: D9 चार्ट के लग्न (राइजिंग साइन) की पहचान करें। यह आपके जीवन के उत्तरार्ध को और समय के साथ आपके मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण में आने वाली परिपक्वता को दर्शाता है। जीवन के बाद के चरणों में आपका प्राथमिक ध्यान कहाँ रहेगा, यह जानने के लिए देखें कि D9 का लग्नेश कहाँ स्थित है।

2. D9 के भीतर D1 लग्नेश की स्थिति देखें: यह पता लगाएं कि आपके D1 चार्ट का मुख्य स्वामी D9 चार्ट में कहाँ गया है। यदि यह अच्छी स्थिति (डिग्निटी) के साथ किसी शुभ भाव (केंद्र या त्रिकोण) में स्थित है, तो उम्र बढ़ने के साथ आपकी जीवन शक्ति, आत्मविश्वास और जीवन की दिशा मजबूत होती है।

3. D9 में D1 के 7वें भाव और 7वें भाव के स्वामी का मिलान करें: अपनी मुख्य जन्म कुंडली (D1) के 7वें भाव के स्वामी ग्रह को पहचानें, और देखें कि वह D9 में किस राशि और भाव में स्थित है। यह दर्शाता है कि वैवाहिक साझेदारी कैसे आगे बढ़ती है और क्या रिश्ते की शुरुआती अनबन समय के साथ स्थिरता में बदलती है।

4. शुक्र (पुरुषों के लिए) और गुरु (महिलाओं के लिए) की जांच करें: D9 चार्ट में रिश्तों के स्वाभाविक कारकों की स्थिति का विश्लेषण करें। D9 में पीड़ित शुक्र पारिवारिक सुख-सुविधाओं में असंतोष ला सकता है, जबकि पीड़ित गुरु साझा मूल्यों और विचारों की परीक्षा ले सकता है।

5. वर्गोत्तम ग्रहों की जांच करें: दोनों चार्टों का मिलान करके देखें कि कौन-से ग्रह एक ही राशि में स्थित हैं। अपनी-अपनी दशा अवधियों के दौरान इन्हें अपनी ताकत के सबसे भरोसेमंद आधार के रूप में चिह्नित करें।

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।